

मने श्यामलाकांत बाबू से पूछा - - - - - कमरे हैं?

लेखक के उक्त प्रश्न की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

उत्तर -

लेखक अपने मित्र श्यामलाकांत के घर उनकी पुत्री के विवाह के अवसर पर हरिद्वार गये थे। वहाँ जाकर उन्होंने देखा कि मकान बहुत छोटा है और उनके घर में उनके बच्चों की भारी भीड़ है। इतने बड़े परिवार के लिए दो कमरों का मकान बहुत छोटा लग रहा था। पूरा घर सामान व लोगों से भरा पड़ा था। यह देखकर लेखक का मन खबराने लगा और उन्होंने यह उपर्युक्त कथन अपने मित्र से पूछा कि, "क्या तुम्हारे पास पास पड़ी दो कमरे हैं।"

लेखक को मित्र ने मकानों की क्या समस्या बताई?

उत्तर -

लेखक के पूछने पर मित्र ने बताया कि दो वर्ष पूर्व इस शहर में आए थे तभी से मकान की खोज में भटक रहे हैं। शहर में कई चक्कर लगाने पर भी जन निराशा होथे लगी तो थक कर मकान के नाम पर सिर छिपाने के लिए गली के अंदर यह छत मिली है। अर्थात् जंगम संख्या इतनी अधिक होने के कारण मनुष्य को रहने का स्थान भी मिलना मुश्किल हो रहा है।

classmate
Date _____
Page _____

(ग) शहर पहले की तुलना में क्यों फैल जा रहे हैं स्पष्ट कीजिए।

उत्तर -

शहर पहले की तुलना में फैलने का कारण जनसंख्या ही है। तीव्र गति से बढ़ती हुई भीड़ के कारण न जाने कितने लोगों के लिए फिर भी मकानों की कमी है। शहर में प्रतिवर्ष कई मकानों व कॉलोनीयाँ बनते हैं जिससे शहरीकरण में फैलाव आता जा रहा है।

प्रश्न) मिग ने जनसंख्या के विषय में क्या टिप्पणी की?

उत्तर -

मिग ग्रामलाकांत ने इस विषय पर टिप्पणी की कि यह हमारे देश की बढ़ती हुई आबादी का ही दुष्परिणाम है। जनसंख्या बढ़ रही है मकानों व खाद्यान्न घट रहे हैं। उन्होंने इस टिप्पणी करते समय यह नहीं सोचा कि इस समस्या में उनका भी काफी योगदान है क्योंकि उनका भी भी बहुत बड़ा था, कई बच्चे थे जो कुपोषण का शिकार होते व रहने में लिए एक छोटा सा मकान था।